एन्सेपिलाइटिस से 140 अधिक मौतें हुई। मरने वाले ज्यादातर बच्चे हैं और आन्ध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में मलेरिया, डेंगू, एन्सेफिलाइटिस से सैकड़ों आदिवासियों की मौत की खबर भी है। दिल्ली में भी डेंगू एंव मलेरिया का प्रकोप काफी रहा। बिहार में कालाजार का प्रकोप काफी रहा। बिहार में कालाजार का प्रकोप बना ही रहता है।
अतः जरूरत इस बात की है कि महामारियों के कारणों पर सख्त नियन्त्रण के साथ-साथ रोकथाम के लिए जरूरी दवाइयों की उपलब्धता पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। जल व बैक्टीरिया जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए, मच्छरों को मारने के लिए धुआं व दवा छिड़कने के कार्यों को नियमित ढंग से करने के लिए पर्याप्त कर्मचारियों की नियुक्ति की जानी चाहिए। जिन महामारियों की रोकथाम के टीके हैं, उन्हें दिलाना सुनिश्चित करना चाहिए। इस तरह के जरूरी निर्देश केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों को दे ताकि महामारियों को फैलने से रोका जाए और इनमें व्यय होने वाले धन का उपयोग विकास के अन्य कार्यो में हो।

डा0 फागुनी राम (बिहार)ः महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख का समर्थन करता हूं।

Demand for proper disposal of Bio-medical waste in the country

श्री नन्दी येल्लैया (आध्र प्रदेश)ः महोदय, इस समय राजधानी दिल्ली और उसके आस-पास 561 से ज्यादा सरकारी एंव गैर-सरकारी अस्पताल और करीब 950 डिस्पेंसरियां हैं। इनके बायो मेडिकल वेस्ट का डिस्पोजल कुछ बड़े अस्पतालों के मार्फत किया जाता है। 1996 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इन बड़े अस्पतालों में वेस्ट डिस्पोजल के लिए इन्सिनरेटर लगाए गए थे। मगर, जैसा कि सेन्ट्रल पोल्युशन कंट्रोल बोर्ड की हालिया रिपोर्ट से जाहिर है, ज्यादातर अस्पतालों में इन्सिनरेटर लम्बे समय से खराब पड़े हैं। इनमें टीबी वार्ड, स्किन वार्ड, ब्लड बैंक, ऑपरेशन थियेटर और सर्जरी वार्ड के कचरे को अलग-अलग टेम्पेटर की बजाय एक से टेम्परेचर पर जलाया जा रहा है। मेडिकल वेस्ट को सही कंटेनरों में भी नहीं डाला जा रहा है, इससे कई जहरीली गैसें एंव सल्फर कार्बन कण वातावरण में घुल रहे हैं और तमाम बीमारियां पैल रही हैं।

अतःमेरा स्वास्थ्य मंत्री महोदय से अनुरोध है कि वे राजधानी वासियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए इन खराब पड़े इन्सिनरेटरों को जल्दी ठीक करवाने और बायो मेडिकल वेस्ट का ठीक से डिस्पोजल करवाने के लिए तत्काल कड़े निर्देश जारी करे।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI DATTA MEGHE): Shri Rama Muni Reddy Sirigireddy. He is not here.